सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 117
12/02/2018

हमारी रुचि एक–एक क्षण का उपयोग, लोगों की सेवा करने में है :– मुख्यमंत्री

पटना, 12 फरवरी 2018 :– आज 1 अणे मार्ग स्थित लोक संवाद में लोक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम में सामान्य प्रशासन, पुलिस, गृह, निगरानी, पंचायती राज, सहकारिता, नगर विकास एवं आवास, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन, वाणिज्यकर, राजस्व एवं भूमि सुधार, खान एवं भूतत्व, परिवहन तथा आपदा एवं प्रबंधन विभाग से संबंधित मामलों पर छह लोगों द्वारा मुख्यमंत्री को अपना सुझाव दिया गया।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम में भभुआ से श्री शेखर प्रताप सिंह, कटिहार से श्री श्रीवास्तव हिंमांशु कुमार, पटना से श्री सुधीर कुमार, पटना से पूजा आनंद, नवादा से श्री मनीष कुमार एवं दरभंगा से श्री कृष्ण कुमार सुमन यादव अपने–अपने सुझाव एवं राय मुख्यमंत्री को दिये। प्राप्त सुझाव एवं राय पर संबंधित विभाग के प्रधान सचिव/सचिव ने वस्तुस्थिति को स्पष्ट किया। लोगों से प्राप्त सुझाव एवं राय पर मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के प्रधान सचिव/सचिव को कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, ऊर्जा, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री श्री विजेंद्र प्रसाद यादव, पंचायती राज मंत्री श्री कपिलदेव कामत, आपदा प्रबंधन मंत्री श्री दिनेश चंद्र यादव, परिवहन मंत्री श्री संतोष कुमार निराला, सहकारिता मंत्री श्री राणा रणधीर सिंह, खान एवं भूतत्व मंत्री श्री विनोद कुमार सिंह, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री श्री राम नारायण मंडल, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चंद्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा संबंधित विभागों के प्रधान सचिव/सचिव उपस्थित थे।

आयोजित लोक संवाद कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया। इसी क्रम में राज्य में होने वाले उप चुनाव में अपनी पार्टी के हिस्सा नहीं लेने के संबंध में मुख्यमंत्री कहा कि राज्य की पार्टी इकाई का यह नीतिगत फैसला है कि सिटिंग मेम्बर की मृत्यु से रिक्त होने के कारण खाली हुए सीटों के उप चुनाव में हम हिस्सा नहीं लेंगे। इसमें हमारी पार्टी का कोई भी सिटिंग जनप्रतिनिधि नहीं था। आर0एस0एस0 प्रमुख श्री मोहन भागवत से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई नागरिक या नागरिक संगठन देश की सीमा की रक्षा के लिए अगर अपनी तत्परता दिखाता है तो यह ठीक है। एक अन्य प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक संवाद का कार्यक्रम अब धीरे–धीरे बहुत उपयोगी होते जा रहा है, जिसमें विशिष्ट सोच वाले लोग बेहतर सुझाव देने लगे हैं। हमलोगों ने 2011 में लोक सेवा का अधिकार कानून लाया, जिस पर लोग मंथन करके और इसके बारे में सुझाव दे रहे हैं। लोक शिकायत निवारण अधिनियम 2016 में आया, उस पर भी लोग टेक्नोलॉजी के द्वारा इसे और बेहतर, पारदर्शी बनाने का सुझाव दे रहे हैं। हमलोगों ने प्रशासनिक सुधार के दृष्टिकोण से अनेक महत्वपूर्ण काम किए हैं। लोग अब इसे समझने लगे हैं।

चुनाव आयोग द्वारा आरोपित लोगों के चुनाव नहीं लड़ने के प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 2 साल की सजा पाने वाले लोग पहले से ही चुनाव में भाग लेने से वंचित हैं। चुनाव से अन्य चीजों से संबंधित विचार के लिए पार्लियामेंट है, यह केंद्र का विषय है। अगर इन सब चीजों में राज्य की राय मांगी जाएगी तो उस पर सुझाव देंगे।

देश की आजादी में महापुरुषों की भूमिका के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी के नेतृत्व में जनता के सहयोग से सत्याग्रह और अहिंसा के रास्ते पर देश को आजादी मिली। वर्ष

1917 में चंपारण सत्याग्रह हुआ और चंपारण अग्रेरियन कानून के द्वारा निलहों के अत्याचार से गांधी जी ने किसानों को मुक्ति दिलायी। गांधी जी के पहले के महापुरुषों ने देश की आजादी के लिए दिए गए योगदान को भूलाया नहीं जा सकता है। नेता जी सुभाष चंद्र बोस का योगदान महत्वपूर्ण है। भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद की शहादत को भूलाया नहीं जा सकता है। बापू के नेतृत्व में सरदार पटेल और जवाहर लाल नेहरु का योगदान भी महत्वपूर्ण रहा है।

बेरोजगारी से संबंधित प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने स्कील डेवलपमेंट प्रोग्राम चलाया है और रोजगार उपलब्धता के बारे में कहा है। मोदी जी के नेतृत्व में एन0डी0ए0 को केंद्र में काम करने का मौका मिला है। वे चार साल से काम कर रहे हैं। अनावश्यक चीजों पर चर्चा नहीं होना चाहिए, तथ्य और नीतियों पर बात होनी चाहिए। एन0डी0ए0 में असंतोष के प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हर पार्टी अपने–अपने ढंग से अपनी बात रखती है। अपनी–अपनी राय व्यक्त करते हैं।

बिहार में भाजपा के साथ पुनः गठबंधन के प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जो महागठबंधन बना था, उस दौरान भी मैंने भ्रष्टाचार से समझौता नहीं करने की बात कही थी। हमारा कमिटमेंट गवर्नेस के प्रति है, पहले भी था और आज भी है। जनता की सेवा के लिए हमारे नेतृत्व में मैनडेट मिला है। 20 साल पुराने मामले में आज सजा हो रही है। कोर्ट में ट्रायल चल रहा है। सी0बी0आई0 ने जांच किया है, कोर्ट में मामला चल रहा है। इसमें हमारी और श्री नरेंद्र मोदी जी कोई भूमिका नहीं है। न्यायिक निर्णय पर कोई प्रतिक्रिया मैं नहीं देता हूँ। इतनी प्रमुखता से इन मुद्दों को जगह नहीं देनी चाहिए। हमलोग गांधी जी को मानने वाले हैं। पत्रकारिता की आजादी के हिमायती हैं। हमारी रुचि एक–एक क्षण का उपयोग लोगों की सेवा करने में है। हमारा कमिटमेंट बिहार के प्रति है, हम बिहार की सेवा कर रहे हैं, यह भी देश की सेवा है। केंद्र का सहयोग मिल रहा है, विकास में गति आयी है। जिन चीजों की जरुरत होगी, केंद्र से मांग करते रहेंगे। यह गठबंधन बिहार के विकास के हित में बना है।

राज्य में कानून व्यवस्था के प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा एक लाख की जनसंख्या पर जो अपराध के आंकड़े जारी किए गए हैं, उसमें बिहार का स्थान 22वां है। स्थिति में सुधार हो रहा है। दहेज हत्या और महिलाओं पर जूर्म के मामले में बिहार की स्थिति उतनी अच्छी नहीं चल रही है, इसमें सुधार के लिए बाल विवाह और दहेज प्रथा के खिलाफ अभियान चलाया है। राज्य में होने वाले क्राइम में पुलिस तेजी से जांच कर रही है और डिटेक्ट कर रही है, जल्द से जल्द गिरफ्तारी हो रही है। क्राइम का फीगर घट रहा है। सरकारी तंत्र मुस्तैद है और हम स्थिति पर नजर बनाए रखते हैं। बाल मजदूरी के खिलाफ उठाए गए प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके लिए राज्य में बहुत पहले से ही काम किया जा रहा है। जो बच्चों को बाहर ले जाया जाता है और उनको फिर आने पर केंद्र के सहयोग के अलावा मुख्यमंत्री सहायता कोष से 25,000 रुपए दिए जाने का फैसला किया गया है। हमलोग इस मामले में सतर्क हैं कि बाल मजदूरी के लिए कोई बच्चा बाहर न जा सके। अयोध्या विवाद से संबंधित प्रश्न का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग शुरु से कहते रहे हैं कि इसका समाधान आपसी समझौते और बातचीत से होनी चाहिए और अगर नहीं हो पाता है तो कोर्ट के फैसले से ही इसका समाधान हो पाएगा।

******